मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD-19

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)
(एम. एच. डी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2023
एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) चाहे संकीर्ण कहो या पूर्वाग्रही
मैं जिस टीस को बरसों बरस
सहता रहा हूँ
अपनी त्वचा पर
सूई की चुभन जैसे
उसका स्वाद एक बार चखकर देखो
हिल जाएगा पाँव तले जमीन का टुकड़ा।

(ख)'सुनो भूदेव'

तुम्हारा कद
उसी दिन घट गया था
जिस दिन कि तुमने
न्याय के नाम पर
जीवन को चौखटों में कस
कसाई बाड़ा बना दिया था।

(ग) चलती रही
निश्चित परिपाटी पर
बैसाखियों के सहारे
कितने पड़ाव आये!
आज जीवन के चढ़ाव पर
बैसाखियाँ चरमराती हैं
अधिक बोध से
अकुलाकर
विस्फुटित मन हुँकारता है
बैसाखियों को तोड़ दूँ!!

(घ) घर-घर में सूनी आँखों से
एक-एक औरत
घर से बाहर गए
अपने-अपने आदमी के

लौटने का इंतजार करती है
सच यही है
वे कतरा-कतरा होकर
जीती हैं
और कतरा-कतरा होकर
मरती हैं।

2. 'अछ्त की शिकायत' कविता के मर्म पर प्रकाश डालिए। 10

3. 'घृणा' तुम्हें मार सकती है, कविता के लोकतांत्रिक पक्ष पर प्रकाश डालिए। 10

4. 'आवाजें' कहानी के आधार पर मोहनदास नैमिशराय की दलित-चेतना का विवेचन कीजिए। 10

5. 'आमन-सामने' कहानी दलित अस्मिता के संदर्भ में किन मुद्दों को उठाती है ? इस पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 10

6. 'वैतरणी' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।10

7. दलित कहानी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। सोदाहरण वर्णन कीजिए। 10

8. दलित स्त्री आत्मकथा के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 10